गाने और गाने बजाने के साधन का इस्तेमाल किया जायेगा

हज़रत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

महमुदुल मवाइज़ उर्दु से रिवायत का खुलासा लिप्यान्तर किया गया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

रसूलुल्लाहﷺ फरमाते है के गाने वाली औरते और गाने बजाने के साधन को इख्तियार किया जाये यानी लोग आम तौर पर उसको इस्तेमाल करने लगेन्गे.

इस दौर मे गाने के साधन का ज़्यादा इस्तेमाल का मतलब मुफती मुहम्मद तकी उस्मानी (दब) फरमाते है के ये जो रिवायत मे आता है के आम तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगे तो पेहले ज़माने मे ये जो मालदार लोग हूवा करते थे वो खास तौर पर गाने वाली औरतो को गाना गाने वाली बन्दीयो को खरीदा करते थे ताके उसके गाने बजाने से अपना दिल बहला सके.

अब जो हदीस मे रसूलुल्लाहﷺ फरमा रहे है के गाने वाली औरतो और गाने बजाने के साधन को आम तौर पर

इख्तियार किया जाने लगे तो उस ज़माने मे हर आदमी के पास ऐसी तो कैसी वुसुअत हो जायेगी के वो गाने बजाने के साधन और औरत इख्तियार करने लगे? तो फरमाते है के उस ज़माने मे गाने बजाने की निस्बत से रेडियो और टेप रेकॉर्डर है के गाने बजाने ही मे जिस्का इस्तेमाल किया जाता है टी.वी. है वीसीआर है डिश एन्टीना है ये सारी चीझे आम हो गई है हर घर मे ये चीझे आ गई है और लोग इसीको अपना दिल बहलाने के लिये इस्तेमाल करते रेहते है. ऐसी चीझो से बचना चाहिये. अल्लाह अमल तौफीक अता फरमाये.

इस दौर मे रसूलुल्लाहﷺ की पेशीन्गोइ की सदाकत: रसूलुल्लाहﷺ की पेशीन्गोइ उस ज़माने के हालात के ऍतेबार से देखी जाये तो सब के समझ मे नही आ सकती कयू के हर आदमी के पास उतनी वुसुअत कहा होगी के हर आदमी बन्दी खरीदे और उसको दिल बहलाने के लिये इस्तेमाल करे.

गाने बजाने के साधन बहुत से होते है और वो बहुत से साधन

एक साथ इस्तेमाल किये जाये तब ये मकसद हासिल होता है हर आदमी ये साधन कैसे खरीदेगा और ये उमूमी शकल कैसे हासिल होगी? तो फरमाते है के हमारे दौर मे जो ये हालात पैदा हो चूके है और ये सिलसिले शुरू हो चूके है उससे रसूलुल्लाहﷺ की उस पेशीन्गोइ की सदाकत का अन्दाज़ा होता है.

ये उस वकत तो किसी की समझ मे नही आ सकता था लेकिन इस वकत हर आदमी समझ रहा है के हर घर मे ये चीझे पोहच चूकी है एक छोटा सा रेडियो है उसके जरिया गाने सुनते है अब तो मोबाईल के अन्दर भी रेडियो होता है और अब तो 24 घंटे गाने फेलाने वाले ऐसे हज़ारो स्टेशन बन चूके है के आदमी 24 घंटे उससे गाना सुन सकता है पेहले तो रेडियो मे इतना उमूम भी नही था अब तो मुस्तकिल बाज़ रेडियो स्टेशन वालो ने इसीको अपना मिशन बना रखा है के 24 घंटे गाने फेलाते रेहते है और सुन्ने वाले सुन्ते भी है.

संगीत के साधन के खरीदार के लिये कुरान मे वइद: बहरहाल ये गाने बजाने वाली औरते और गाना बजाने के

साधन के बारे मे रसूलुल्लाहﷺ ने ये बात फरमायी है और वैसे कुरान और हदीस के अन्दर इस्पर वइदे भी आयी है सूरएँ लुकमान मे अल्लाह का इरशाद है के लोगो मे बाज़ लोग ऐसे है जो खेल की बातो के खरीदार है ताके अपनी जहालत के जरिया लोगो को अल्लाह की याद से गाफिल करे और अल्लाह की याद को मज़ाक और ठठ्ठा का जरिया बनाये ऐसे लोगो के लिये बडा खतरनाक यानी ज़िल्लत वाला अज़ाब अल्लाह की तरफ से है.

नया जाल पूराना शिकारी: एक आदमी था नज़र बिन हारिस नाम था वो फारिस का सफर किया करता था वहा से वो रूस्तम और इसन्दरयार की किस्से कहानियो की किताबे ले आया और लाकर यहा मक्का वालो से केहता है के मुहम्मद तुमको आद और समूद के किस्से सुनाते है आवो मे तुम को रूस्तम इस्फन्दरयार के किस्से सुनावु वो बन्दी भी खरीद कर लाया था लोगो को अपने घर ले जाता खाना खिलाता और बन्दी से गाने सुनाता और सुनाकर के ऐसा केहता था के देखो

इसमे तुम को मज़ा आता है या उसमे गोया ये एक तरह की बुराई बयान करनी थी.

शुरू मे जब कुरान नाजील हूवा तो कुरान के हिदायत नामे से लोगो को गुस्सा करने के लिये और कुरान के जरिया से लोग असर कबूल न करने पाये और कुरान के जरिया से लोग हिदायत कबूल न करे इसलीये उस ज़माने मे भी मुशरीकीन और काफिरो ने ये तरीका इख्तियार किया था के गाने बजाने के साधन और किस्से कहानिया खरीद कर लोगो को इमान और इस्लाम से हटाने की कोशिश की जाती थी ये सिलसिला उस ज़माने मे शुरू हो चूका था.

चुनांचे आज भी यही नापाक हरकते हो रही है और कयामत तक होती रहेगी मुसलमानो को राहे हक से हटाने के लिये.

इस्लाम के अलावा दुन्या के अकसर मज़हब वाले यही मिशन मे लगे हुवे है के केसे मुसलमानो को दुन्या से बेदखल कर दिया जाये, मुसलमानो के दिलो मेसे इमानी हरारत को कैसे खतम किया जाये ताके वो ज़ीन्दा रेह कर भी कुछ काम के न रहे उनका इमान बेकार हो जाये, यही

उनका मकसदे ज़िन्दगी है, तो अल्लाह पूरी उम्मत की इन नापाक साज़िशो से बचाये और इमान की कुव्वत नसीब फरमाये और नेक आमाल करने की तौफीक अता फरमाये.

गाना सुन्ने पर सख्त वइदे: एक और रिवायत मे है के रसूलुल्लाहﷺ फरमाते है के मेरी उम्मत के अन्दर अल्लाह लोगो को ज़मीन मे धसां देंगे उनकी शकलो को बदल देंगे और आस्मान से उनके उपर पथ्थर बरसाये जायेन्गे किसी ने आपﷺ के इस इरशाद को सुन कर पूछा ऍ अल्लाह के रसूल ये कब होगा? आपﷺ ने इरशाद फरमाया के जब गाने बजाने वालीयो की ज़ियादती होगी और शराब पीना आम हो जायेगा लोग गाने बजाने वाली औरतो की तरफ मुतवज्जे होन्गे और गाने बजाने के साधन को लोग कसरत से इख्तियार करने लगेन्गे उस चीझ के उपर शकले बदलने की वइद आयी है और हमारी उसकी तरफ कोई तवज्जुह नही.

कयामत से पेहले गाने बजाने वालो का चेहरे का बदल जाना: बहरहाल मे तो ये अर्ज़ कर रहा था के बाज़ हज़राते

उल्मा फरमाते है के उस वइद का मतलब ये है के जो लोग उसमे मुब्तेला होन्गे मानवी तौर पर तो उनके दिल मस्ख हो ही जाते है लेकिन कयामत से पेहले ऐसा भी होगा के जब बडी बडी निशानीया जाहिर होन्गी तो ज़ाहिरी तौर पर भी अल्लाह उनके चेहरो को बंदरो और सुव्वरो के चेहरो से मस्ख कर देंगे. आम तौर पर जो अज़ाब आता है उसके अस्बाब मे गाने बजाने को शराब पीने को और ये गाना बजाने वाली नाचने वाल औरतो को बडा दखल है.

अल्लाह हम को सही समझ अता फरमाये और ऐसे गुनाहो से बचने की बार बार तौफीक अता फरमाये.